राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

युवाशक्ति ही भारतवर्ष की सबसे बड़ी ताकत है–राज्यपाल

पटना, 05 जनवरी 2020

''भारत में आज युवाओं की आबादी 65 प्रतिशत के लगभग है, इसी कारण भारत को 'युवा राष्ट्र' भी कहा जाता है। युवा शक्ति ही भारतवर्ष की सबसे बड़ी ताकत है। वस्तुतः जवानी ही किसी व्यक्ति की वह अवस्था होती है; जब वह पूरी ऊर्जा और दृढ़निष्ठा से किसी काम को अंजाम दे पाता है। आपकी संस्था युवाओं का एक मंच है, अतएव आशा है कि आप राष्ट्रीय नवनिर्माण के कार्य करने की दिशा में तत्परतापूर्वक प्रयास करेंगे तथा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने में अपना भरपूर योगदान देंगे।''–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने स्थानीय बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स सभागार में 'अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच' की राष्ट्रीय सभा एवं अधिवेशन को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार राज्य की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत काफी समृद्ध रही है। बौद्ध एवं जैन धर्म का इसी धरती से अभ्युदय हुआ था। इन दोनों धर्मों के उन्नयन में बिहार राज्य का अनूठा योगदान रहा है। आशा है, आप सभी युवा बिहार के गौरव को भी बढ़ाने में अपनी अग्रणी भूमिका निभायेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज का राष्ट्रीय स्वतंत्रता–आन्दोलन एवं स्वतंत्र भारत के नवनिर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। स्वतंत्रता–आन्दोलन में सेठ जमनालाल बजाज एवं घनश्याम दास बिड़ला के आर्थिक एवं सामाजिक योगदान को कौन नहीं जानता? मारवाड़ी समाज के गौरवमय इतिहास का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने महाराणा प्रताप के अन्यतम सहयोगी दानवीर भामा शाह जी के राष्ट्रप्रेम, त्याग और वीरता का भी सादर स्मरण करते हुए उन्हें अपना नमन निवेदित किया। राज्यपाल ने मारवाड़ी समाज को नव वर्ष की शुभकामनाएँ भी दी।

राज्यपाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज ने अपने सामाजिक दायित्व को बखूबी निभाया है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति का आदर्श रहा है कि जो भी सम्पत्ति एवं साधन हमारे पास हैं, उनका सदुपयोग हमें वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों के कल्याण के लिए करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी किसी भी समाज के सम्यक् विकास के लिए उसमें शिक्षा के समुचित प्रसार पर जोर देते थे। शिक्षा देश और समाज की मौजूदा हर प्रकार की चुनौतियों से निपटने का एक कारगर जरिया होती है। गाँधीजी समाज में शांति, समरसता और न्याय के लिए शिक्षा में मानवीय और नैतिक तत्वों के समन्वय पर जोर देते थे। गाँधीजी को उद्धृत करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि– ''सच्ची शिक्षा वही है, जो मनुष्य को सच्चा और अच्छा मनुष्य बनाये।'' श्री चौहान ने कहा कि आशा है कि आपकी संस्था भी आपको एक सच्चे, ईमानदार और चरित्रवान भारतीय नागरिक के रूप में विकसित कर रही होगी।

समारोह में राज्यपाल को 'स्मृति–चिह्न' भेंट कर उनक अभिनन्दन भी किया गया।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए कई मारवाड़ी युवाओं को पुरस्कृत किया और अधिवेशन के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित अग्रवाल ने संस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय महामंत्री श्री उमेश गर्ग, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष श्री प्रशांत खंडेलिया, स्वागताध्यक्ष श्री विष्णु जालान, श्री सुनील नरसरिया आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

.....